सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 227 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 26 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वीकार्य सफलता के घिसे-पिटे रास्तों की बजाय नए रास्तों पर चलना चाहिए।

-जॉन डी. रॉकफेलर

जिद...सच की

हम डरने वाले नहीं, लोक सभा चुनाव... 7 | अब एमएलसी चुनाव को भाजपा ने... 3 | मामला संवेदनशील हो तो शीर्ष... 2

राजभर ने सपा प्रमुख पर फिर साधा निशाना, कहा, अखिलेश नहीं चाहते थे शिवपाल आएं साथ

» सपा ने नहीं किया पिछड़ों की भलाई का काम सुभासपा ने शुरू की लोक सभा चुनाव की तैयारी

» जब सत्ता में थे तब अखिलेश ने नहीं करवाई जातीय जनगणना, एक समान शिक्षा की मांग

» सुभासपा ने सावधान रथ यात्रा का किया आगाज, प्रदेश के 33 स्थानों पर होंगी जनसभाएं

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एक बार फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव कभी नहीं चाहते थे कि विधान सभा चुनाव में शिवपाल यादव उनके साथ आएं। सपा ने कभी भी पिछड़ों की भलाई के लिए काम नहीं किया। यही नहीं वे जब तक सत्ता में थे तब जातीय जनगणना नहीं करवाई।

नीतीश पर भी हमलावर

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सुभासपा 2004 से बिहार में चुनाव लड़ती आ रही है। बिहार चुनाव में हमारी लड़ाई सत्ता पक्ष से रहेगी और सवाल भी सत्ता पक्ष से होगा। नीतीश चाहते थे एक समान शिक्षा हो और जातिवार जनगणना हो अब तो सरकार बदल गई है तो क्यों जातिवार जनगणना नही हुई। हमारी तैयारी अभी बिहार लोक सभा चुनाव की है।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 2024 के लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। नवरात्रि के पहले दिन सुभासपा और भागीदारी एकता पार्टी की सावधान रथ यात्रा शुरू हो रही है। आज सावधान रथ यात्रा की शुरुआत इसलिए हो रही है कि आजादी के बाद पहली बार अति पिछड़ी जातियों की चर्चा हो रही है। जनता के बीच में हम इन जातियों को सावधान करना चाहते हैं कि जब तक प्रदेश में जातिवार जनगणना नहीं होगी तब तक भागीदारी नहीं मिलेगी। 27 अक्टूबर को ये यात्रा पटना के गांधी मैदान में संपन्न होगी। पार्टी उत्तर प्रदेश में 33 जगहों पर जन सभा करेगी। सभी जिले कवर होंगे। उन्होंने कहा कि समान शिक्षा की लड़ाई हम सावधान रथ यात्रा के माध्यम से करेंगे ताकि सभी को एक समान शिक्षा मिले। यह पार्टी की मंशा है। हम अपने नेतृत्व में पिछले साढ़े पांच साल में जब से विधान सभा में हैं तबसे अब तक गरीबों के इलाज के लिए 9 करोड़ 48 लाख दिए। उन्होंने कहा कि आज लोगों को जरूरत है रोजगार की। पार्टी की मांग है कि मैकेनिकल कोर्सेज की शिक्षा कक्षा चार से शुरू हो ताकि कोई बेरोजगार न रह जाए फिर चाहे मोटरसाइकिल बनाने का काम हो या पंखा बनाने का।

अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले दिल्ली दरबार पहुंची राजस्थान कांग्रेस की कलह

सोनिया गांधी ने एक-एक विधायक से बात करने का दिया आदेश

» गहलोत गुट के विधायकों ने पर्यवेक्षकों के सामने रखीं शर्त

» राजस्थान में सीएम पद को लेकर गहलोत गुट के विधायकों ने सौंप दिया है इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोस्टर वार

राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम पर घमासान के बीच पोस्टर वार भी शुरू हो गया है। जोधपुर में कई जगहों पर सचिन पायलट के पोस्टर नजर आ रहे हैं। पोस्टर में लिखा है, सत्यमेव जयते, नए युग की तैयारी। अशोक गहलोत के गुट के विधायक सचिन पायलट को सीएम बनाने का विरोध कर रहे हैं।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस में सीएम पद को लेकर मची कलह दिल्ली दरबार तक पहुंच गयी है। अशोक गहलोत कैंप से अधिकांश विधायकों के इस्तीफा पेश करने के बाद सोनिया गांधी ने पार्टी आब्जर्वर मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन को निर्देश दिया कि वे विधायकों से वन टू वन बात कर समस्या का समाधान निकालें और अपनी रिपोर्ट दे।

आल इंडिया कांग्रेस कमेटी आब्जर्वर माकन ने कहा कि विधायक प्रताप खचारियावास, एस धारीवाल व सीपी जोशी ने शर्त रखी है कि एक 19 अक्टूबर के बाद राजस्थान में सीएम की नियुक्ति की जिम्मेवारी कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपी जाए। इस बीच अशोक गहलोत ने माकन से मुलाकात की। वहीं सोनिया गांधी ने कमलनाथ को दिल्ली बुलाया है।

गुलाम नबी आजाद ने अपनी नई पार्टी का किया ऐलान

» डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी रखा नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस से किनारा कर चुके गुलाम नबी आजाद ने अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है। उनकी नई पार्टी का नाम डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी है। अपनी नई पार्टी को लेकर गुलाम नबी आजाद ने कहा कि लगभग 1,500 नाम हमें उर्दू, संस्कृत में भेजे गए थे। हिन्दी और उर्दू का मिश्रण हिन्दुस्तानी है। हम चाहते थे कि नाम लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण और स्वतंत्र हो इसलिए पार्टी का ये नाम तय हुआ।

उन्होंने कहा कि हमारी राजनीति जाति या धर्म पर आधारित नहीं होगी। हम सभी धर्मों और राजनीतिक दलों का सम्मान करेंगे। मैंने कभी किसी पार्टी या नेताओं पर निजी हमले नहीं किए. मैं नीतियों की आलोचना करता हूं। हमें राजनीतिक नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत हमले करने से बचना चाहिए। गुलाम नबी आजाद तीन दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। कांग्रेस छोड़ने के बाद भी गुलाम नबी आजाद ने प्रदेश का दौरा किया था। इस दौरान गुलाम नबी आजाद ने नई पार्टी के लिए समर्थकों के साथ चर्चा की थी। गुलाम नबी आजाद ने 26 अगस्त को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था।

मामला संवेदनशील हो तो शीर्ष अफसर करें लीड : सीएम योगी

» खनन माफिया की संपत्ति जब्त कर 10 दिन में दें रिपोर्ट, गैंगस्टर लगाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खनन माफिया के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने फील्ड अफसरों से दो टूक कहा कि इनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करें। संपत्ति जब्त करें और 10 दिनों में मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट सौंपें। मुरादाबाद और झांसी में अवैध खनन की घटनाओं से बेहद नाराज सीएम योगी ने संबंधित अफसरों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने आगामी त्योहारों को लेकर फील्ड के प्रशासनिक और पुलिस अफसरों के साथ रविवार को वीसी में ये निर्देश दिए।

योगी ने अफसरों से कहा कि खनन के अलावा ड्रग, शराब व भू माफिया, गो-तस्कर सहित अवैध गतिविधियां चलाने वाले सभी अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। अंतरराज्यीय सीमा से लगे जिलों में डीएम और पुलिस अधीक्षक अवैध खनन की गतिविधियों की बारीकी से पड़ताल करें। सीएम ने एक जिले के कप्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि फ्री हैंड देने का यह मतलब नहीं है कि जिले में वसूली हो और अफसर अपराधियों को अपने कार्यालय में बैठाएं। अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो

टॉलरेंस की नीति अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिले के अफसर की क्लास लगाते हुए कहा कि घटना के बाद मीडिया को जानकारी देने के लिए लोग मुहूर्त देखने लगते हैं। मीडिया को सही जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा किसी भी घटना को छोटा मानकर नजरअंदाज न करें। संवेदनशील प्रकरणों में वरिष्ठ अधिकारी लीड करें। मौके पर पहुंचें। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल हो। हाल के दिनों में कुछ जिलों में अप्रिय घटनाएं हुई हैं। इनके दोषियों को कठोरतम सजा हो, इसके लिए प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम जल्द से जल्द न्याय हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि देर रात तक चलने वाली रामलीला के मंचन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त हो।

त्योहारों पर अलर्ट रहें

सीएम ने कहा कि नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। इसके बाद विजयादशमी, दशहरा, वाल्मीकि जयंती, दीपावली और छठ जैसे पर्व के चलते माहौल उमंग से भरा होगा। बाजारों में भीड़ होगी। हमें हर समय अलर्ट मोड में रहना होगा। पुलिस को फुट पेट्रोलिंग बढ़ानी होगी। महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को निर्देश दिया कि त्योहारों के बीच अनावश्यक बिजली कटौती न हो। तय रोस्टर के अनुसार गांव व शहर में बिजली आपूर्ति की जाए। प्रदेश स्तर पर, कमिश्नरेट और रेंज स्तर पर कंट्रोल रूम एक्टिव किए जाएं। एडीजी कानून-व्यवस्था द्वारा निगरानी की जाए। प्रदेश में परंपरागत रूप से 44 हजार से अधिक स्थलों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं रखी जाती रही हैं। इसके अतिरिक्त भी प्रतिमाओं की स्थापना होती है।

आयोग की आपत्ति के बाद यूपी डीजीपी को लेकर फंसा पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में स्थाई डीजीपी की नियुक्ति के लिए प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की आपत्ति के बाद स्थाई डीजीपी को लेकर पेंच फंस गया है। गृह विभाग एक ओर जहां रविवार के दिन भी आयोग की ओर से लगाई गई आपत्ति का जवाब तलाशता नजर आया। वहीं सरकार की ओर से पूर्व डीजीपी मुकुल गोयल की कमियां गिनाई जाती रहीं।

सूत्रों का कहना है कि यूपीएससी की ओर से लगाई आपत्ति का जवाब तैयार करने केलिए विधिक राय भी ली जा रही है, ताकि आयोग में प्रदेश सरकार का पक्ष मजबूती से रखा जा सके। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार की ओर से जल्द से जल्द आयोग को जवाब भेजा जाएगा ताकि 30 सितंबर से पहले आयोग में बैठक हो सके। दर असल मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान को पूर्णकालिक डीजीपी बनने के लिए जरूरी है कि आयोग मुकुल गोयल को डीजीपी के पद से 2 वर्ष पूरा होने से पहले हटाए जाने के फैसले के राज्य सरकार के जवाब से संतुष्ट हो जाए। इसके बाद राज्य सरकार के प्रस्ताव के दिन को ही आधार मानकर प्रदेश के नए डीजीपी के लिए नाम तय करे। ऐसा होता है तो जीएल मीणा और डॉ. आरपी सिंह छह माह से कम कार्यकाल बचा होने के कारण रेस से बाहर हो जाएंगे और डीएस चौहान की राह आसान हो जाएगी। वहीं डीजीपी के लिए बैठक के लिए 30 सितंबर के बाद की तिथि निर्धारित करता है और बैठक की तिथि को आधार मानता है तो ऐसी स्थिति में डीएस चौहान के पूर्णकालिक डीजीपी बनने की राह बहुत मुश्किल हो जाएगी। वहीं डीजीपी का पद रिक्त होने की तिथि को आयोग आधार मानता है तो भी देवेंद्र सिंह चौहान की डीजीपी बनने की राह मुश्किल रहेगी। आयेग का जवाब देने के लिए सरकार ठोस जवाब तलाश रही है।

मिलकर चलते तो अपनी ही सरकार बनती : शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल जिले में असमोली विधानसभा क्षेत्र की कुलदेवी के मंदिर कैला देवी पर डीपी यादव और शिवपाल सिंह यादव ने संयुक्त रूप से जनसभा की। शिवपाल ने अपने ही परिवार की अंतर्कलह के जिक्र से भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि नेताजी को मुख्यमंत्री बनाया और पार्टी के लिए पूरी मेहनत की, लेकिन इसके बाद भी साथ नहीं चले। कहा कि अगर मिल कर चलते तो अपनी ही सरकार बनती।

जमीन मिलने पर डिग्री कॉलेज और मेडिकल कॉलेज दिलवाने की बात कही। पूर्व सांसद डीपी यादव ने कहा कि मेरा इस क्षेत्र से पुराना रिश्ता है। यहां के लोग मेरे दिल से जुड़े हैं और जुड़े रहेंगे। आगामी समय में हम और शिवपाल

यादव मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कहा कि इस क्षेत्र में जमीन मिलने पर वह मिलकर डिग्री कॉलेज बनवाकर देंगे। अपने भाषण में शिवपाल यादव ने कहा कि उन्होंने अपनी अलग प्रगतिशील समाजवादी पार्टी बनाई है। अब राष्ट्रीय परिवर्तन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीपी यादव हमारे साथ हैं। हम दोनों मिलकर आगामी चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक को लेकर कहा कि वह भी हमारे साथ नहीं हैं।

यूपी से लड़े नीतीश तो जमानत जब्त होगी : केशव

» डिप्टी सीएम बोले, नीतीश कुमार की हैसियत बस दो सांसद की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्ष के साथ महागठबंधन बनाने में जुटे बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार लोकसभा का चुनाव यूपी से लड़ेंगे तो उनकी जमानत जब्त हो जाएगी। भदोही कलेक्ट्रेट सभागार में सोनिया गांधी, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की दिल्ली में हुई मुलाकात पर डिप्टी सीएम ने कहा कि 2024 में पहले से ज्यादा सीटें हम जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की हैसियत दो सांसद की है। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 100 में से 60 हमारा है, 40 वोटों में बंटवारा है और बंटवारे में भी हमारा है। केशव प्रसाद

मौर्य ने कहा कि अगर नीतीश यूपी से चुनाव लड़ें तो जमानत जब्त हो जाएगी । 2014 के चुनाव में नीतीश कुमार बिना मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़े थे। उनके चेहरे पर दो सांसद जीते थे। गौरतलब कि फूलपुर के बाद अब मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश के चुनाव लड़ने की चर्चा चल पड़ी है। उन्होंने कहा कि गांव स्वच्छ होगा तो प्रदेश भी साफ रहेगा। गांव में अगर गंदगी है तो बीमारी फैलेगी। परिवार को बीमारी पर अधिक खर्च करना होगा। इसलिए स्वच्छता को अपनाएं। पर्यावरण में हो रहे बदलाव के लिए कम पौधरोपण को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम बदल रहा है। जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर बन रहे हैं। घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है।

गुंडे और माफिया की कोई जाति नहीं

भदोही के गजधरा गांव में समारोह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुंडे और माफिया की कोई जाति नहीं होती। भाजपा सरकार में अपराधी जेल में बंद है। मुख्तार जैसे अपराधी अब चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में माफिया और दलाल जनता के पैसे खाते थे, लेकिन अब लाभार्थी के खाते में सरकार की ओर से भेजी गई रकम पहुंच रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार और समाज एक रथ के दो पहिए हैं। दोनों के तालमेल से ही विकास होगा। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है।

दहेज के प्रति जागरूक होना होगा : राज्यपाल

» समाज में शांति हो, जात-पात का कोई विवाद न हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली नगला चंद्रभान पहुंचीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जातिवाद पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि समाज में शांति, सद्भाव हो, जात-पात का कोई विवाद न हो। देश के विश्वविद्यालयों को इस दिशा में ठोस काम करने की जरूरत है। राज्यपाल ने दहेज को लेकर भी लोगों से विरोध करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि दहेज के प्रति जागरूक होना होगा। दहेज का विरोध करने के लिए आगे आने की जरूरत है। खासकर महिलाएं इसकी पहल करें, जिससे यह कुप्रथा खत्म हो।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रविवार सुबह को मथुरा के फरह पहुंचीं। उन्होंने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति जन्मोत्सव मेले के समापन समारोह में शिरकत की। इस दौरान यहां लगेगी प्रदर्शनी का भी

अवलोकन किया। इससे पूर्व राज्यपाल के नगला चंद्रभान पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और जन्मोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। राज्यपाल ने स्मारक स्थल पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन का केंद्र बिंदु मानव था, उनका दृढ़ मत था कि व्यक्ति आधारित चिंतन ही देश की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है। उन्होंने कहा हमें अपने महापुरुषों के विचारों को लेकर निकलना चाहिए। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करने चाहिए।

अब एमएलसी चुनाव को भाजपा ने कसी कमर, प्लान तैयार

शिक्षक व स्नातक विधान परिषद की पांचों सीटें जीतने का तय किया लक्ष्य

संयोजक और सह संयोजक नियुक्त, मतदाताओं से संपर्क करने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा अब लोक सभा चुनाव से पहले एमएलसी चुनाव में क्लीन स्वीप करने की तैयारी कर रही है। शिक्षक और स्नातक विधान परिषद की पांचों सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए संयोजक व सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही मतदाताओं तक पहुंचने के लिए रणनीति बनायी गयी है।

लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा नगर निकाय चुनाव और उससे पहले शिक्षक व स्नातक विधान परिषद चुनाव में भी पूर्ण विजय का संकल्प लेकर उतरेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने चुनाव के लिए संयोजक और सह-संयोजक तय करते हुए पांचों सीटें जीतने की रणनीति बना ली है। भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा विधान परिषद शिक्षक व स्नातक क्षेत्र की पांचों सीटों को बड़े अंतर से जीतने के संकल्प के साथ चुनाव में उतरेगी। नए मतदाता बनवाने और मतदाताओं से सतत संपर्क-संवाद करते हुए चुनाव के दिन मतदान स्थल तक मतदाता को पहुंचाने से लेकर मतगणना तक पार्टी के प्रत्येक नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय करना है। उन्होंने कहा कि हमें विधान परिषद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में प्रत्येक शिक्षक को मतदाता बनाना है। इसके साथ ही प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य को इन चुनावों का प्रदेश संयोजक, जबकि प्रदेश मंत्री संजय राय, एमएलसी श्रीचंद्र शर्मा और अजय सिंह को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कल्याणकारी योजनाओं की देंगे जानकारी

विधान परिषद के चुनाव में भी बूथ से लेकर प्रदेश स्तर के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता बनाने के साथ चुनाव की अन्य जिम्मेदारियों से जुड़ेंगे। केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ ही भाजपा की विचारधारा लेकर प्रत्येक मतदाता की दहलीज पर दस्तक देंगे।

एक अक्टूबर से शुरू होगा मतदाता बनाने का काम

एक अक्टूबर से विधान परिषद के पांचों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता बनाने का काम शुरू होगा। सबसे पहले भाजपा कार्यकर्ता अपने परिवार, मित्रों और परिचित परिवारों में जाकर अपेक्षित श्रेणी के मतदाता बनाने का काम सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद वे बूथ स्तर पर अभियान शुरू करेंगे।

तैयारियों के लिए बैठकें तय

चुनावी तैयारी के लिए बैठकें भी निर्धारित कर दी गईं। बरेली-मुरादाबाद स्नातक सीट के लिए मुरादाबाद कमिश्नरी की बैठक 27 सितंबर व बरेली कमिश्नरी की बैठक 28 सितंबर को होगी। गोरखपुर-फैजाबाद क्षेत्र के लिए अयोध्या कश्मिनरी की बैठक 29 सितंबर व गोरखपुर कमिश्नरी की बैठक 30 सितंबर को होगी। इलाहाबाद-झांसी निर्वाचन क्षेत्र में प्रयागराज कमिश्नरी की बैठक 28 सितंबर, बांदा की बैठक 29 सितंबर और झांसी की बैठक 30 सितंबर को की जाएगी। कानपुर शिक्षक-स्नातक निर्वाचन की संयुक्त बैठक 27 सितंबर को निश्चित की गई है।

सपा से अलग होकर प्रसपा लड़ेगी लोक सभा चुनाव

24 के चुनाव से पहले सब क्लीयर कर लेंगे शिवपाल यादव

» उत्तर प्रदेश में प्रसपा चलाएगी यदुकुल पुनर्जागरण मिशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव राष्ट्रीय परिवर्तन दल के मुखिया और कद्दावर नेता डीपी यादव संग नजर आए। दोनों जिला गाजियाबाद में मौजूद थे। दोनों ने संयुक्त रूप से एक प्रेस वार्ता की और संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में यदुकुल पुनर्जागरण मिशन की शुरुआत कर रहे हैं, जिसका मकसद दबे-कुचले लोगों को इकट्ठा करके आगे बढ़ाना होगा। प्रसपा सुप्रीमो ने कहा, अखिलेश यादव ने जिस तरीके से सदन में अगली सीट मांगी थी अगर वह चाहते तो नाम की स्लिप बदल देते।

किसी को कुछ कहने की जरूरत ही नहीं थी। वे विपक्ष के लीडर हैं, उन्हें सीट मांगने की जरूरत नहीं थी। सरकार की पोल खोलना, मुद्दे उठाना, आंदोलन-प्रदर्शन करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। शिवपाल यादव ने कहा, जितने लोगों को सामाजिक न्याय नहीं मिला है, हम उन्हें इकट्ठा करके संगठन बना रहे हैं। जिसका जितना हक है, उसे वो मिलना चाहिए। इसके लिए हम प्रदेशभर में जाकर मीटिंग कर रहे हैं। दलित, पीड़ितों, शोषितों से बातचीत कर रहे हैं। शिवपाल ने कहा, सपा में अब सम्मान नहीं मिल रहा इसलिए हम दूसरा काम कर रहे हैं। अब हम सारे चुनाव सपा से अलग लड़ेंगे। 2024 के चुनाव से पहले सारी स्थिति क्लियर हो जाएगी।

ये भी हो सकती है वजह

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव अपने संगठन के कामों में लगे हुए हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि हमारा ध्यान अभी अपने संगठन को मजबूत करने पर है। हम अगले लोक सभा चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं इसीलिए संगठन को मजबूत करना चाहते हैं। वहीं प्रसपा यूपी नगर निगम चुनाव में भी दाव आजमाना चाहती है। इसके लिए पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी में शिवपाल यादव के बेटे को जब से प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका मिली है तब से ही उन्होंने नगर निगम चुनाव में प्रसपा के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

चुनाव में किससे तालमेल करेंगे, इस सवाल पर शिवपाल ने कहा, हमारी विचारधारा हमेशा समाजवादी रही है। अब परिस्थितियां जैसी भी हों लेकिन विचारधारा के हिसाब से ही आगे काम करेंगे। बता दें कि शिवपाल सिंह यादव वर्तमान में सपा के विधायक हैं लेकिन पार्टी प्रमुख और अपने भतीजे अखिलेश यादव के साथ उनके लंबे समय से नाराजगी की खबरें लगातार आ रही हैं। दोनों ने कई मौकों पर एक-दूसरे पर जमकर जुबानी हमले भी बोले थे, जिसके बाद प्रसपा का सपा से तलाक हो गया था। वहीं मानसून सत्र से ठीक पहले अखिलेश यादव ने विधान सभा अध्यक्ष को एक चिट्ठी लिखी थी. जिसमें कहा गया था कि प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव को विधान सभा में आगे की सीट दी जाए। हालांकि विधान सभा अध्यक्ष ने इस मांग को खारिज कर दिया। वहीं शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मुझे जहां सीट अलॉट है, मैं वहीं बैठूंगा।

विधान सभा सत्र में नहीं दिखे शिवपाल!

उत्तर प्रदेश में विधान सभा सत्र का मानसून सत्र खत्म हो गया। मगर शिवपाल नजर नहीं आए। पहले दो दिन समाजवादी पार्टी से विधायक और प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव विधान सभा में नजर नहीं आए हैं। हालांकि आखिरी दिन वे विधान सभा गए या नहीं इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है मगर इसके पीछे कई तरह की अटकलें चलनी शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि शिवपाल सपा से खासे नाराज हैं और वे फिलहाल बीजेपी ज्वाइन करना चाहते हैं। मगर कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। बल्कि कहा जा रहा है कि वे प्रसपा को नए सिरे से तैयार करेंगे ताकि 2024 के चुनाव में अपनी सीट पक्की कर सके।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बाढ़ और सूखे से जूझते किसान

उत्तर प्रदेश में पहले सूखे और अब लौटते मानसून से हुई भारी बारिश से आयी बाढ़ ने किसान की मुसीबत बढ़ा दी है। कई जनपदों में नदियां उफान पर हैं और हजारों एकड़ फसल जलमग्न हो गयी है। वहीं सरकार के तमाम दावों के बावजूद अभी भी बाढ़ पीड़ितों को राहत नहीं मिल सकी है। मुआवजे के लिए पीड़ित किसानों को अभी तक चिन्हित करने का काम भी पूरा नहीं हो सका है। इसके कारण किसानों की चिंता बढ़ गयी है। सवाल यह है कि आज तक बाढ़ और सूखे का स्थायी समाधान क्यों नहीं खोजा जा सका है? क्या मुआवजे के मरहम से किसानों के नुकसान की भरपाई की जा सकती है? बाढ़ वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर पहले से सुरक्षात्मक उपाय क्यों नहीं किए जाते हैं? क्या फसलों के नुकसान से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर असर नहीं पड़ेगा? क्या धान उत्पादन में गिरावट आने का असर चावल के दामों पर नहीं पड़ेगा? क्या ऐसे ही किसानों की आय दोगुनी हो सकेगी?

प्रदेश में कमजोर मानसून ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार प्रदेश के 62 जिलों में औसत से कम बारिश हुई है। रही सही कसर भारी बारिश और बाढ़ ने पूरी कर दी है। एक ओर पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने तो दूसरी ओर बाढ़ के कारण कई जिलों में धान की फसल चौपट हो गयी है। गोरखपुर, अयोध्या, संत कबीरनगर, गोंडा, बाराबंकी समेत कई जिलों में नदियां उफान पर है और हजारों एकड़ खेतों को जलमग्न कर दिया है। बाढ़ के कारण तमाम किसान सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर गए हैं। हालांकि सरकार ने किसानों को राहत देने की कोशिश की है। इसके तहत प्रभावित जिलों में ट्यूबवेल के बिजली बिल और राजस्व वसूली को स्थगित कर दिया गया है। किसानों को दलहन, तिलहन और सब्जियों के बीच उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज करने के आदेश दिए हैं लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इससे प्रभावित किसान को त्वरित फायदा नहीं पहुंचेगा और उनके सामने अपने उपयोग के लिए भी अनाज की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही नहीं यदि बारिश की रफ्तार कम नहीं हुई तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने की खेती पर भी इसका विपरीत असर पड़ेगा। इससे किसानों के सामने आय का संकट खड़ा हो जाएगा और वे अगली फसल कैसे उत्पन्न करेंगे। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह किसानों को मुआवजे के तौर पर तत्काल आर्थिक सहायता मुहैया कराए। साथ ही बाढ़ और सूखे के स्थायी समाधान का उपाय करे ताकि निकट भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

“ उत्तर प्रदेश में पहले सूखे और अब लौटते मानसून से हुई भारी बारिश से आयी बाढ़ ने किसान की मुसीबत बढ़ा दी है। कई जनपदों में नदियां उफान पर हैं और हजारों एकड़ फसल जलमग्न हो गयी है। वहीं सरकार के तमाम दावों के बावजूद अभी भी बाढ़ पीड़ितों को राहत नहीं मिल सकी है। मुआवजे के लिए पीड़ित किसानों को अभी तक चिन्हित करने का काम भी पूरा नहीं हो सका है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ममता की बदलती रणनीति के निहितार्थ

अशोक उपाध्याय

पश्चिम बंगाल की सीएम और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी एक बार फिर चर्चा में हैं। पिछले विधान सभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ममता बनर्जी ने एक-दूसरे पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तृणमूल कांग्रेस के अनेक सांसद एवं विधायक चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गये और चुनाव लड़ा। तृणमूल कांग्रेस को मिले झटके से बस यही लगने लगा था कि ममता बनर्जी और नरेन्द्र मोदी की दूरियां कभी नहीं मिटेंगी। ममता को मोदी को राजनीतिक चुनौती देने के लिए एक सक्षम विपक्षी नेता माना जाता है और वह अक्सर प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार के रूप में निरूपित होती रही हैं लेकिन पिछले ढाई महीनों में उनके रुख में जो बदलाव दिखा वह सियासी विश्लेषकों को हैरत में डालने वाला है।

इसकी शुरुआत 13 जुलाई, 2022 को दार्जिलिंग से हुई जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव से ऐन पहले ममता की मुलाकात राज्यपाल जगदीप धनखड़ और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा से हुई। लगभग तीन घंटे चली इस लंबी बैठक के तुरंत बाद किसी ने कुछ साफ कहने से मना कर दिया। ममता ने इस मुलाकात के बाद कहा कि राज्यपाल ने चाय पर आमंत्रित किया था इसलिये यहां आई थीं। यह पूछे जाने पर कि क्या राष्ट्रपति चुनाव के बारे में बात हुई तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, कोई राजनीतिक बात नहीं हुई। असम के मुख्यमंत्री की उपस्थिति पर उन्होंने कहा कि दो अलग-अलग राज?य हैं, इनके बीच संबंध होने चाहिए। उनकी अलग पार्टी है और हमारी अलग पार्टी है। संसद भवन की नई इमारत की चोटी पर लगाये गये अशोक स्तंभ विवाद के बारे पूछे जाने पर ममता ने कहा कि उन्होंने इस बारे में स्टडी नहीं की है, जब वह स्टडी कर लेंगी तो ही इस मामले पर कुछ बोल पायेंगी। जगदीप धनखड़ दार्जिलिंग से ही दिल्ली आ गये और अगले दिन भाजपा उन्हें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिये उम्मीदवार घोषित कर दिया। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू उन दिनों पश्चिम बंगाल के दौरे पर थीं लेकिन ममता उनसे नहीं मिलीं और उसकी वजह गिनाई गई कि तृणमूल नेता ने यशवंत सिन्हा का नाम राष्ट्रपति चुनाव के लिए घोषित किया है जो विपक्ष के प्रत्याशी हैं। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिये मतदान हुआ और तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों और एक विधायक ने क्रॉस वोटिंग की तथा दो सांसदों एवं चार विधायकों के मतपत्र अयोग्य पाये गये। द्रौपदी मुर्मू

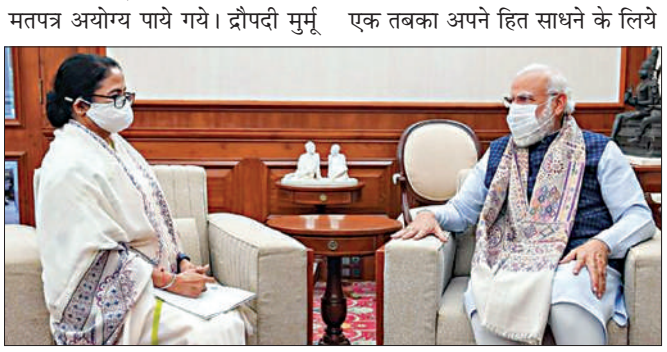

चुनाव जीत गईं। ममता ने मतदान से पहले दलील दी थी कि अगर सत्तारूढ़ एनडीए ने विपक्ष को पहले विश्वास में लिया होता तो द्रौपदी मुर्मू सर्वसम्मति से राष्ट्रपति चुन ली गई होतीं। उनके इस बयान को भी क्रॉस वोटिंग की वजह माना गया। उपराष्ट्रपति के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने विपक्ष की उम्मीदवार के नाम की घोषणा से पहले उसे विश्वास में नहीं लेने का आरोप लगाया और मतदान में हिस्सा ही नहीं लिया। जगदीप धनखड़ को तृणमूल कांग्रेस के मतदान में हिस्सा नहीं लेने का बड़ा फायदा हुआ और वह बड़ी आसानी से चुनाव जीत गये। इस बीच लंबे अर्से से मोदी सरकार सीबीआई और ईडी के कथित दुरुपयोग को लेकर विपक्ष के निशाने पर है। यह विवाद तूल पकड़ता जा रहा है और अपने नेताओं के फंसने के बाद विपक्षी दल अब खुलकर तंज कसने लगे हैं। खुद ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनके रिश्तेदार कोयला खदान घोटाले में ईडी के दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर ईडी के निशाने पर हैं और दोनों जमानत पर हैं। पश्चिम बंगाल विधान सभा में 19 सितंबर को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया लेकिन ममता ने यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें नहीं लगता कि केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के पीछे प्रधानमंत्री का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं का एक तबका अपने हित साधने के लिये केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। एक सितंबर को ममता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पहले बुरा नहीं था और उन्हें नहीं लगता कि आरएसएस उतना बुरा है। अब भी आरएसएस में कई अच्छे और सच्चे लोग हैं जो भाजपा से सहयोग नहीं करते। एक दिन वे भी अपनी चुप्पी तोड़ेंगे। अब ममता ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के मामले में मोदी को क्लीन चिट दी है तो इस मुद्दे पर एकजुट हो रहे विपक्ष को झटका लगा है। ममता बनर्जी अनुभवी नेता हैं और वह कोई भी बयान ऐसे ही नहीं देती हैं। तो क्या वह अपना हित साधने के लिए भाजपा और आरएसएस में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। उन्हें ऐसा भी लगने लगा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई में सीधे पड़ने से बाजी पलट भी सकती है।

क्रिकेट नियमों में जरूरी बदलाव

अभिषेक दुबे

पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कुछ नये नियमों को स्वीकृति दी है, जिनका अहम असर हो सकता है। इस संबंध में चर्चा से पहले क्रिकेट के मौजूदा माहौल को देखा जाना चाहिए। खेल के रूप में क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट से एकदिवसीय फॉर्मेट में आया, जिसमें समय-समय पर नियमों में बदलाव होता रहा है। पहले वह साठ ओवर का होता था, फिर चालीस-पैंतालीस ओवरों के मैच भी हुए और आखिरकार पचास ओवर निर्धारित हुए। एक समय ऐसा भी आया, जब सचिन तेंदुलकर के सुझाव पर अनधिकृत रूप से एकदिवसीय खेल में भी 25-25 ओवर के पारी की व्यवस्था हुई। टी-20 फॉर्मेट आने के बाद कई लोग टेस्ट क्रिकेट को असली फॉर्मेट मानते हुए कहते रहे हैं कि इसके आने के बाद एकदिवसीय क्रिकेट का क्या औचित्य रह गया है। साथ ही, द्विपक्षीय एकदिवसीय खेलों पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं।

अगर फुटबॉल में देखें तो राष्ट्रीय टीमें दोस्ताना मैच खेलती हैं या फिर उनका मुकाबला विश्व कप और महादेशीय टूर्नामेंट में होता है। उसके बाद फुटबॉल में लीग कल्चर है लेकिन क्रिकेट में ऐसी संगठित व्यवस्था नहीं है। टेस्ट मैच और टी-20 के बीच में भी एकदिवसीय मैच खेले जाते हैं। साथ ही, कई तरह के टूर्नामेंट भी होते रहते हैं। भारतीय टीम के पूर्व कोच और अनुभवी खिलाड़ी रहे रवि शास्त्री का स्पष्ट मानना है कि टी-20 लीग के स्तर पर खेला जाना चाहिए तथा अन्य फॉर्मेट में विश्व कप जैसे आयोजन होने चाहिए। द्विपक्षीय मैचों का कोई मतलब नहीं रह गया है। उदाहरण के लिए कुछ दिन के बाद कितने लोग मोहाली में हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच को याद कर सकेंगे। तीसरी उल्लेखनीय बात यह है कि पिछले समय में क्रिकेट में बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि इस खेल को कैसे दिलचस्प बनाकर रखा जाए।

अभी जो नियमों में बदलाव या संशोधन हुए हैं, इनकी मांग लंबे समय से हो रही थी और अंतत: आईसीसी को उन्हें मानना पड़ा है। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े बल्लेबाज को गेंद फेंकने से पहले रन आउट करने को 'मांकड़ रन आउट' कहा जाता था, जो सीधे तौर पर एक उत्कृष्ट भारतीय खिलाड़ी के लिए अपमानजनक मामला था। भारतीय खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने इस पर सवाल उठाया था कि इस रन आउट को क्यों अनैतिक माना जाता है। अक्सर बल्लेबाज गेंद फेंके जाने से पहले से ही आगे बढ़ कर बढ़त ले लेता है। चेतावनी के बावजूद वह ऐसा करता है और गेंदबाज उसे आउट कर देता है, तब कहा जाता था कि यह खेल भावना व नैतिकता के विरुद्ध है। जब अश्विन ने इस तरह एक खिलाड़ी को आउट किया था, पूरी दुनिया की मीडिया उसके खिलाफ हो गयी थी। इस तरह के आउट को सही बता कर आईसीसी ने अश्विन की बात पर मुहर लगा दी है। हाल के समय में यह समस्या भी बढ़ी है कि निर्धारित समय में पारियां खत्म नहीं हो रही हैं। इसका लाभ कई टीमों को मिलता था। कई बार होता है कि कोई बल्लेबाज अपनी लय में है, पर दूसरी टीम फील्डर बदलने में समय लगाने लगती है। यह सीधे तौर पर बल्लेबाज की लय तोड़ने की कोशिश है। अब नियम यह है कि अगर कोई टीम निर्धारित समय में पारी खत्म नहीं करती है तो अतिरिक्त समय में उसके एक फील्डर को अंदर कर दिया जाता है। यह नियम एशिया कप में अपनाया भी गया था। पहले मैच फीस आदि काटने का चलन था, जिससे टीमों को असर नहीं पड़ता था, पर अब समय अधिक लेने पर इस व्यवस्था से हार-जीत पर असर पड़ने लगा है। अब इम्पैक्ट प्लेयर को लाने की बात भी हो रही है, जैसा फुटबॉल में होता है। इसके तहत बारहवें खिलाड़ी को कभी भी मैदान में उतारने की अनुमति मिल सकती है। बॉल चमकाने का पुराना इतिहास रहा है। पाकिस्तान टीम पर बहुत समय से आरोप लगता रहा है कि रिवर्स स्विंग कराने के लिए एक साइड में चमक खत्म कर दी जाती है और दूसरी ओर इसे रखा जाता है। इसी तरह बॉल को खुरचने का मामला भी सामने आता रहता है। आपको याद होगा कि इस आरोप में एक बार दक्षिण अफ्रीका में सचिन तेंदुलकर पर पाबंदी भी लगायी गयी थी। इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए आईसीसी ने साफ किया है कि आप बॉल में थूक भी नहीं लगा सकते हैं। आम तौर पर क्रिकेट के नियम बल्लेबाजों की हिमायत में होते हैं तो गेंदबाज अलग-अलग तरीके से अपने को प्रभावी बनाने की कोशिश करते हैं। अब यह देखना होगा कि इस नये नियम को व्यावहारिक तौर पर कैसे और किस हद तक लागू किया जाता है अगर बॉल में रफनेस है, ओस है, तो बॉलर तो उसे साफ करेगा ही। कई लोग पसीने से भी गेंद चमकाने की कोशिश करते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि 'बॉल बनाने' की विधा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना क्रिकेट का खेल है।

International Cricket Council

भारतीय टीम के पूर्व कोच और अनुभवी खिलाड़ी रहे रवि शास्त्री का स्पष्ट मानना है कि टी-20 लीग के स्तर पर खेला जाना चाहिए तथा अन्य फॉर्मेट में विश्व कप जैसे आयोजन होने चाहिए। द्विपक्षीय मैचों का कोई मतलब नहीं रह गया है। उदाहरण के लिए, कुछ दिन के बाद कितने लोग मोहाली में हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच को याद कर सकेंगे। तीसरी उल्लेखनीय बात यह है कि पिछले समय में क्रिकेट में बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि इस खेल को कैसे दिलचस्प बनाकर रखा जाए।

बारिश में बेहद खूबसूरत दिखती है दिल्ली

दिल्ली में इन दिनों बारिश काफी ज्यादा हो रही है। बारिश के मौसम में दिल्ली की बात की कुछ अलग होती है। भले ही बारिश होते ही दिल्ली में जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है लेकिन यहां के कुछ इलाके बारिश के मौसम में काफी ज्यादा खूबसूरत दिखने लगते हैं। दिल्ली घूमने के लिए बारिश का मौसम परफेक्ट माना जाता है। क्योंकि इस दौरान यहां काफी हरियाली नजर आने लगती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आप बारिश के मौसम में घूम सकते हैं। बारिश के मौसम में इन जगहों की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। आज बारिश होने के साथ ही वीकेंड भी है। ऐसे में घर पर बैठे रहने की बजाय आपको दिल्ली की इन जगहों पर घूमने के लिए जरूर जाना चाहिए। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में।

इंडिया गेट

इंडिया गेट दिल्ली के राजपथ पर स्थित भारत का राष्ट्रीय स्मारक है। इंडिया गेट के आसपास का हिस्सा खूबसूरत गार्डन से घिरा हुआ है और काफी खुला भी है। अक्सर लोग बारिश के मौसम में यहां घूमने के लिए आते हैं। ऐसे में आप भी यहां जा सकते हैं। बारिश में यहां घूमते हुए आइसक्रीम खाने का एक अलग ही मजा है।

लोधी गार्डन

लोधी गार्डन दिल्ली की खूबसूरत जगहों में से एक है। 90 एकड़ एरिया में फैला यह गार्डन 500 साल पुराना है। इस गार्डन में काफी सारे पेड़-पौधे और फूल लगाए गए हैं जिस कारण बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुंदर नजर आती है। अगर आप वीकेंड पर पिक्निक का प्लान बना रहे हैं तो यह जगह आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकती है।

सफदरजंग का मकबरा

सफदरजंग का मकबरा दिल्ली के जोर बाग क्षेत्र में स्थित है। 18वी शताब्दी में बना सफदरजंग का मकबरा दिल्ली के फेमस स्पॉट में से एक है। सफदरजंग का मकबरा अपने खूबसूरत स्ट्रक्चर के लिए फेमस है। इसके आसपास काफी सुंदर सा बगीचा भी है। बारिश के मौसम में सफदरजंग काफी खूबसूरत नजर आता है।

लाल किला

लाल किला दिल्ली स्थित प्रसिद्ध स्मारकों में से है। मुगल काल में बना यह ऐतिहासक स्मारक विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल है और भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में एक है। लाल किला की खूबसूरती, भव्यता और आर्कषण को देखने दुनिया के कोने-कोने से लोग आते हैं और इसकी शाही बनावट और अनोखी वास्तुकला की प्रशंसा करते हैं। बारिश के मौसम में इस जगह की खूबसूरती अलग ही नजर आती है। अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यहां जरूर जाएं।

पुराना किला

बारिश के मौसम में घूमने के लिए पुराना किला एकदम परफेक्ट है। यहां पर एक झील भी है जिसमें आप बोटिंग भी कर सकते हैं। तो अगर इस वीकेंड में आप घर पर बोर हो रहे हैं और कुछ अलग करना चाहते हैं तो पुराना किला जाकर बोटिंग का आनंद ले सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां काफी हरियाली रहती है। इस किले का निर्माण शेर शाह सूरी ने अपने शासन काल में 1540 से 1545 के बीच करवाया था। हिन्दू साहित्य के अनुसार यह किला इंद्रप्रस्थ के स्थल? पर है जो पांडवों की विशाल राजधानी होती थी।

हौज खास विलेज

हौज खास विलेज यंग लोगों के बीच काफी फेमस है। बड़ी संख्या में विदेशों से भी लोग यहां मौज-मस्ती करने के लिए आते हैं। हौज खास विलेज में गार्डन और एक झील भी है जो काफी खूबसूरत लगती है। यहां कई सार कैफे और पब भी है जहां लोग वीकेंड में जाकर काफी एंजॉय करते हैं। इस पूरी जगह में काफी ज्यादा हरियाली है। ऐसे में बारिश के मौसम में यहां बैठकर झील को देखना और किसी कैफे में चिल करने का एक अलग ही मजा होता है। इस जगह पर जाकर यकीनन आपका भी दिन बन जाएगा।

हंसना मना है

मुझे भी देखने दो, किसका एक्सीडेंट हुआ है...? पप्पू भीड़ को हटाते हुए बोला... जब कोई हटा नहीं, तो वह चिल्लाता हुआ बोला-जिसका एक्सीडेंट हुआ है, मैं उसका बाप हूं...रास्ता मिल गया और पप्पू ने देखा तो एक गधा मरा पड़ा था...!

बिट्टू- यार बता I am going का मतलब क्या होता है? बब्लू - मैं जा रहा हूं.. बिट्टू- ऐसे कैसे जाओगे? मैं ये सवाल 20 लोगों से पूछ चुका हूं, सब चले जाने की बात करते हैं, तुम जवाब बताकर जाओ...

एक भैंस घबराई हुई जंगल मे भागी जा रही थी, उसे देख चूहे ने पूछा- क्या हुआ बहन कहाँ भागे जा रही हो, भैंस- जंगल में पुलिस हाथी पकडने आई है, चूहा- पर तुम क्यों भाग रही हो तुम तो भैंस हो, भैंस- ये भारत है भाई, पकड़े गये तो 20 साल तो अदालत मे ये सिद्ध करने मे ही लग जायेंगे कि, मैं हाथी नही भैंस हूँ, ये सुन भैंस के साथ चूहा भी भागने लगा...

पति- भाग्यवान जरा एक कप चाय तो बनाना पत्नी- खुद ही बना कर पी लो, मैं कुछ बिजी हूं आज वरना...पति- वरना क्या...??? पत्नी- वरना घर में भी वही होगा जो टीवी में चल रहा है...पति- गुस्से में बोला, टीवी में क्या चल रहा है... पत्नी- महाभारत...तब से घर में शांति है...!!!

कहानी — राजा और चांद

अकबर ने एक बार बीरबल को किसी काम के लिए काबुल भेजा। वहां पर उन्हें एक जासूस समझ कर वहां के राजा के सामने पकड़ कर लाया गया। राजा : तुम कौन हो और मेरे राज्य में क्या कर रहे हो ? बीरबल : मैं भारत से आया हुआ एक मुसाफिर हूं। राजा : अगर तुम इतने बड़े यात्री हो तो बताओ तुम मेरे शासन के बारे में क्या सोचते हो ? बीरबल : आप पूर्ण चन्द्रमा की तरह हैं, आपकी ताकत और साहस की कोई तुलना नहीं है। राजा इस उत्तर से संतुष्ट हुए, लेकिन पूछा ब तुम्हारे राजा के बारे में ? बीरबल : वे एक नये चांद की तरह हैं जिनकी तारीफ करने को ज्यादा कुछ नहीं है। राजा इतना खुश हुआ कि उसने बीरबल को एक थैला भरकर सोने की मोहरें दीं। उसके लौटने पर, अकबर के दरबारियों ने पहले ही बादशाह को बीरबल और काबुल के राजा के बीच हुई बातें बता दीं। अकबर - बीरबल, मैंने सुना तुम्हें काबुल के राजा ने सम्मान दिया। बीरबल : हां, जहांपनाह। उन्होंने मुझसे आपके बारे में पूछा। अकबर : मैंने सुना कि तुमने उन्हें पूरे चन्द्रमा और हमारी नये चांद तुलना की। बीरबल : यह सच है, जहांपनाह। अकबर : तुम्हारी अपने बादशाह की बेइज्जती करने की हिम्मत कैसे हुई ? बीरबल : मैंने तो आपकी प्रशंसा की। बढ़ता हुआ चन्द्रमा तो बढ़ती समृद्धि का प्रतीक माना जाता है और उससे प्रशंसा भी बढ़ती है हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही चन्द्रमा को दूसरे दिन से देखना शुरू करते हैं। जबकि पूर्ण चन्द्रमा की शक्ति और ऊर्जा धीरे-धीरे कम होती जाती है। अकबर : मैं तुम पर पूर्ण विश्वास कर सकता हूं।

शिक्षा : अपने संदेश को इस प्रकार संप्रेषित करें कि प्राप्तकर्ता वही देखे जैसा वह चाहता है और उससे किसी की हानि भी न हो। कूटनीति एक कला है- इसे सीखें और पारंगत हों यदि आप शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं। यह वाहन में ईंधन की तरह ही आवश्यक है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तकरीबन पक्का है। यह वक्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुकसान की तरह धकेल सकता है।

वृषभ — आज आपका दिन फेयरवेल रहेगा। किसी करीबी को आपसे कुछ अपेक्षाएं होगी, आप उन अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे, बिजनेस पार्टनर के साथ किए गए कामों से आपको फायदा होगा।

मिथुन — आज निर्धारित कार्य संम्पन न होने की वजह से निराशा बनी रहेगी। खर्च भी बढ़ेगा। वाहन से सावधान रहे चोट भी लग सकती है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहेगा।

कर्क — ऐसा करना आगे काफी लाभदायक सिद्ध होगा। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ लें।

सिंह — आज अगर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ज्यादातर काम पूरे हो सकते हैं। आप दूसरों की समस्याओं से विचलित हो सकते हैं। पैसों से जुड़े कुछ काम आज रुक सकते हैं।

कन्या — आज आपका रुझान अध्यात्म की ओर रहेगा। आप अपनी जिंदगी में धर्म के महत्व को भी जानना चाहेंगे। इस राह पर चलने से आपको खुशी मिलेगी।

तुला — प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी। लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी।

वृश्चिक — आज आपका मन आध्यात्म में अधिक लग सकता है। किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिये जा सकते हैं। काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं।

धनु — आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है। चीजों और लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

मकर — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुराने दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं। यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। आपको थकान और तनाव महसूस हो सकता है।

कुम्भ — तनाव में रहेंगे। तनाव कम करने के लिए कहीं बाहर घूमने जाना चाहिए। अगर आज आप किसी सामाजिक समारोह में जा रहे हैं तो वहां आपको बहुत से लोगों से मिलने का मौका मिलेगा।

मीन — अपने ऊंचे आत्मविश्वास का आज सही इस्तेमाल करें। भागदौड़ भरे दिन के बावजूद आप फिर ऊर्जा और ताजगी पाने में कामयाब रहेंगे। निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफा देंगे।

चुप ने पहले ही दिन तोड़ा रणवीर-शाहिद का रिकॉर्ड

बॉलीवुड | मसाला

चुलकर सलमान और सनी देओल की फिल्म चुप: रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट को न केवल क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। बल्कि दर्शकों से भी सकारात्मक प्रक्रिया मिल रही है। यही कारण है कि फिल्म ने पहले ही अपनी लागत का 32 फीसदी हिस्सा कमा दिया है। जी हां, राष्ट्रीय सिनेमा दिवस के सौजन्य से फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर अच्छी खासी कमाई की है। इतना ही नहीं, सनी देओल की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की रनवे 34 और शाहिद कपूर की जर्सी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सामने आ रहे शुरुअती आंकड़ों के अनुसार आर बाल्की के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 2.60 से 3.20 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। हालांकि, अगर शुक्रवार को टिकट की कीमतों में कटौती नहीं की गई होती, तो फिल्म एक करोड़ का आंकड़ा भी पार करने के लिए संघर्ष करती। अब जब फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित कर लिया है, तो यह सिनेमा उद्योग के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकती है। बता दें कि फिल्म 10 करोड़ रुपये के बजट में तैयार की गई है। रिलीज से पहले ही चुप ने अजय देवगन, शाहिद कपूर और रणवीर सिंह को पछाड़ दिया था। बुधवार शाम तक, फिल्म ने पूरे भारत में 63,000 टिकट बेचे थे और, अपनी रिलीज के दिन, फिल्म ने लगभग 4 लाख टिकट बेचे, जो अजय देवगन की रनवे 34, शाहिद कपूर की जर्सी और रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार के लिए बेचे गए टिकट्स की संख्या से कहीं ज्यादा थी। आर बाल्की द्वारा निर्देशित, चुप एक साइकोलॉजिकर थ्रिलर फिल्म है। सनी देओल और दुलकर सलमान के अलावा इस फिल्म में पूजा भट्ट, श्रेया धनवंतरी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। साथ ही फिल्म में अमिताभ बच्चन का कैमियो भी है। इसके जरिए निर्देशक आर बाल्कि ने सिनेमा के कालजयी फिल्मकार गुरुदत्त को ट्रिब्यूट दिया है। राकेश झुनझुनवाला, जयंतीलाल गड़ा, अनिल नायडू और गौरी शिंदे के निर्देशिन में बनी चुप, आठ हफ्ते बाद ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। मतलब रिलीज के दो महीने यानी 23 नवंबर 2022 के बाद यह फिल्म ओटीटी पर आएगी।

1 अक्टूबर को होगा बिग बॉस 16 का ग्रैंड प्रीमियर

टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस का 16वां सीजन जल्द ही कलर्स चैनल पर प्रसारित किया जाने वाला है। शो के नए प्रोमो में शो के ग्रैंड प्रीमियर की डेट अनाउंस कर दी गई है। शो का प्रीमियर 1 अक्टूबर को होगा, जिसके बाद इसे सोमवार- शुक्रवार रोजाना 10 बजे कलर्स चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। रविवार और शनिवार में होने वाले वीकेंड के वार को 9:30 पर दिखाया जाएगा। बिग बॉस 16 पिछले सभी सीजन से बेहद अलग होने वाला है क्योंकि मेकर्स इस बार नई थीम लेकर आ रहे हैं। शो में इस बार बिग बॉस गेम खेलते नजर आएंगे। गेम कैसा होगा, फिलहाल इसकी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हाल ही में शेयर किए गए नए प्रोमो में सलमान कह रहे हैं, 50-50 कौस दूर जब बच्चा रोएगा, तो मां कहेगी, बेटा सो जा वरना बिग बॉस आ जाएगा। बिग बॉस सीजन 16, गेम बदलेगा, क्योंकि बिग बॉस खुद खेलेगा। कलर्स चैनल द्वारा शेयर किए गए इस प्रोमो के साथ लिखा गया है, अब गब्बर भी लगेगा प्यारा, जब बिग बॉस खुद आएंगे बजाने कंटेस्टेंट की बारह। वीडियो में सलमान खान कहते हैं कि अब मोगैंबो खुश नहीं होगा क्योंकि अब सबको डर लगेगा बिग बॉस से। बिग बॉस सीजन 16 में गेम बदलेगा क्योंकि अब बिग बॉस ही गेम खेलेगा। इस वीडियो में सलमान खान का लुक भी मोगैंबो वाला ही है। उन्होंने ब्लैक आउटफिट पहना है और उनकी ब्लैक जैकेट पर गोल्डन वर्क किया गया है। सोशल मीडिया पर यह प्रोमो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो के कैप्शन में फायर और हार्ट का इमोजी भेज रहे हैं। हालांकि अब तक इस शो के एक भी कंटेस्टेंट्स का नाम कंफर्म नहीं हुआ है। ऐसे में सोशल मीडिया पर कई सेलेब्स का नाम सामने आया है, जिनके नाम को लेकर दावा किया जा रहा है।

बॉलीवुड | मन की बात

अक्षय कुमार ने बेचा अपना अंधेरी स्थित अपार्टमेंट

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खबरों में रहते हैं। बीते कुछ वक्त में कुछ सेलेब्स के अपार्टमेंट खरीदने और बेचने की खबरें सामने आई हैं और ऐसे में अब अक्षय का भी नाम लिस्ट में शुमार हो गया है। अक्षय कुमार ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित उनकी एक प्रॉपर्टी को बेच दिया है। अक्षय से ये अपार्टमेंट अरमान और अमान मलिक के पिता डब्बू मलिक ने खरीदी है। इस रिपोर्ट में आपको प्रॉपर्टी के बारे में बताते हैं। Zapkey.com की एक रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार ने अंधेरी वेस्ट में स्थित उनके एक अपार्टमेंट को बेच दिया है। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार ने ये अपार्टमेंट 4.12 करोड़ रुपये का खरीदा था, जबकि अब उन्होंने इसे 6 करोड़ रुपये में डब्बू को बेचा है। अक्षय कुमार और डब्बू मलिक के बीच यह डील 12 अगस्त, 2022 को को हुई थी। बता दें कि यह प्रॉपर्टी अंधेरी वेस्ट के ट्रांसकॉन ट्रायम्फ के टॉवर स्थित है। अक्षय कुमार ने जो अपार्टमेंट बेचा है वो 1,281 स्क्वायर फीट के कारपेट एरिया और 59 स्क्वायर फीट के बालकनी एरिया में फैला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय के पास अंधेरी वेस्ट के अलावा बोरीवली, मुलुंद, और जुहू में भी कुछ प्रॉपर्टी है। बता दें कि डब्बू मलिक, मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर अन्नू मलिक के भाई हैं और अक्षय ने इस प्रॉपर्टी को बेचने में करीब 2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट कमाया है। ये अलग बात है कि अक्षय कुमार की आखिरी थिएटर रिलीज 3 फिल्में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं, लेकिन उनके खाते में अब भी कई ऐसी फिल्में शुमार हैं, जिनका फैन्स को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म ओ माय गॉड 2, गोरखा, बड़े मियां छोटे मियां, जॉली एलएलबी 3, सेल्फी, कैप्सूल गिल और राम सेतु के लिए दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है।

यह व्यक्ति आसानी से देख लेता था जमीन के अंदर की चीजें

इंसान धरती पर वहां तक देख सकता है जहां तक उसकी नजर जाती है साथ ही आसमान में भी वह अनंत तक देख सकता है लेकिन जमीन के अंदर देख पाना इंसान के बस की बात नहीं है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो जमीन के ऊपर ही नहीं जमीन के अंदर भी देख सकता था। वह जमीन में कहां पानी मौजूद है और कहां नहीं यह भी बता देता था। दरअसल, हम बात कर रहे हैं कनाडा के रहने वाले जेराओल डेरोसिर्स नाम के एक व्यापारी की। जिसके बारे में कहा जाता है कि उसमें एक अद्भुत क्षमता थी। वो यह कि वह धरती के भीतर देख सकता था।

बताया जाता है कि डोरोसिस के पेट में आखिरी पसली के नीचे कई बार दर्द उठता था, लेकिन दर्द ज्यादा देर तक नहीं रहता था, इस कारण उसने उसे कभी गंभीरता से नहीं लिया। बात साल 1940 की है। तब उसे यह दर्द कई बार हुआ और काफी देर तक चला। उसके बाद उसने खुद को डॉक्टर को दिखाने का फैसला लिया। डॉक्टर ने उसे बताया कि उसे कोई शारीरिक बीमारी नहीं है बल्कि यह बीमारी मनोवैज्ञानिक है। उसने उसे आराम करने की सलाह देते हुए उसे नींद की कुछ गोलियां दीं। उनसे उसे फायदा भी हुआ। उसने महीने भर तक नींद की गोलियां लीं। उसके बाद वह अपने रिश्ते के एक भाई के फार्म हाउस पर क्यूबेक चला गया। उसके भाई ने उसे बताया कि उसके यहां पानी की बड़ी दिक्कत है। इस कारण वह मवेशी पालने का धंधा बंद करने की सोच रहा है। एक दिन वहीं पर अचानक डोरोसिर्स के पेट में फिर दर्द उठा और उसी समय उसने अपने भाई से कहा कि, यह मत पूछना कि मैं यह कैसे कह रहा हूं, क्योंकि मैं नहीं जानता मुझे कैसे पता लगा। लेकिन मैं तुमको बताना चाह रहा हूं कि जिस जगह मैं बैठा हूं। वहां भूमिगत जल का तेज प्रवाह है। उसने उसे यह भी बताया कि वहां 70 फीट के नीचे तीन इंच मोटी पार लहर चल रही है। पानी बहुत अच्छा है, जिसके नीचे एक चट्टान है। उस को मत खोदना। नहीं तो वह सारा पानी नीचे चला जाएगा। उसके बाद डोरोसिर्स के भाई ने वहां खुदाई करवाई, जिसके बाद वहां पीने योग्य पानी का अथाह भंडार मिला।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे विचित्र आइलैंड

यहां इंसानों से ज्यादा है जानवरों की तादात

दुनियाभर में ऐसी तमाम अनोखी जगहें हैं जिनके बारे में हमने आज तक नहीं सुना और ना ही कभी वहां गए। आपने बड़ी मुश्किल से सुना होगा कि किसी आइलैंड पर इंसानों से ज्यादा बिल्लियां रहती हैं। ऐसा ही एक आइलैंड है ओशिमा आइलैंड। ओशिमा आइलैंड को अब कैट आइलैंड या बिल्लियों का द्वीप कहा जाने लगा है। जापान के इस आइलैंड पर करीब सौ लोग रहते हैं, लेकिन बिल्लियों की संख्या इस आइलैंड पर इंसानों से दस गुनी है यानि करीब 1000। इस आइलैंड पर एक हजार बिल्लियां रहती हैं। इस आइलैंड पर बिल्लियों की अधिक संख्या की वजह से ही इस आइलैंड का नाम कैट आइलैंड या बिल्लियों का द्वीप पड़ गया है।

साल 1945 के आसपास ये आइलैंड एक फिशिंग विजेल के नाम से मशहूर था। जहां करीब 900 लोग रहा करते थे, लेकिन अब यहां बिल्लियों का राज चलता है। अगर आपको भी बिल्लियों से प्यार है तो आप कैट आइलैंड घूमने जा सकते हैं। इस आइलैंड पर बिल्लियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा माना जाता है कि इस आइलैंड पर बिल्लियों और इंसानों का अनुपात 10-1 का है। इसलिए ये जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि क्या यहां शुरु से ही बिल्लियों की संख्या इंसानों से ज्यादा थी। बता दें कि कुछ साल पहले तक इस आइलैंड पर ज्यादा बिल्लियां नहीं थीं। इस आइलैंड पर विश्व युद्ध के बाद कुछ लोग आए थे। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय मछलियां पकड़ना था। इसके अलावा इस आइलैंड पर कपड़े भी बनाए जाते थे। लेकिन समस्या ये थी कि यहां चूहों ने आतंक मचा रखा था। वो नए बने कपड़ों को काट दिया करते थे। लोगों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए तमाम काम किए लेकिन समस्या से छुटकारा नहीं मिला। आखिर में उन्होंने चूहों की समस्या से निजात पाने के लिए बिल्लियों को लाना तय किया।उसके बाद लोगों ने चूहों से निजात पाने के लिए बिल्लियां लाना शुरु कर दिया। बिल्लियों के आते ही चूहों का आतंक समाप्त हो गया। लोगों का कपड़ों का व्यापार दोबारा से शुरु हो गया। शुरुआत में तो लोग बहुत खुश थे, क्योंकि बिल्लियों ने चूहों का आतंक समाप्त कर दिया था। लेकिन कुछ समय बाद लोगों को महसूस हुआ कि इस आइलैंड पर और भी कई समस्याएं है। यहां जिंदगी बिताने के लिए बहुत सारी जरूरी सुविधाओं का अभाव था। यहां ना तो बाजार थे और ना ही अस्पताल। इस आइलैंड पर स्थित इकलौता स्कूल भी बंद कर दिया गया था।उसके बाद लोगों ने अपनी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए शहरों का रुख करना शुरु कर दिया। इस आइलैंड से सबसे पहले दो परिवारों ने पलायन किया। उसके बाद धीरे-धीरे इस आइलैंड पर इंसानों की संख्या कम होने लगी। इस आइलैंड से पलायन करने वाले ज्यादातर परिवार अपनी पालतू बिल्लियों को यहां छोड़ गए। इसीलिए आज इस आइलैंड पर इंसानों से ज्यादा बिल्लियां रहती हैं। तभी तो इसे बिल्लियों का द्वीप कहा जाता है।

हम डरने वाले नहीं, लोक सभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे : लालू

» नीतीश के साथ सोनिया गांधी से की मुलाकात

» विपक्ष को एकजुट करने में जुटी लालू और सीएम नीतीश की जोड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा से नाता तोड़ने के बाद विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद लालू ने कहा कि हमें भाजपा को हराना और देश को बचाना है। इसके लिए हम सभी को साथ आना होगा। जिस तरह से हमने भाजपा को बिहार से हटाया, उसी तरह एकजुट होकर देश से भी हटाना है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी से बातचीत हुई है। हमने पूरी बात उनके सामने रखी है। फिलहाल अभी कांग्रेस के संगठन चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने अगले 10 से 12 दिनों बाद इस मुद्दे पर एक बार फिर मिलने की बात कही है। हालांकि सोनिया गांधी से हुई इस मुलाकात को दोनों ने ही शिष्टाचार मुलाकात बताया लेकिन जानकारों की मानें तो सोनिया ने इन दोनों को इस मुद्दे पर नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद बातचीत की बात कहकर टरका दिया है। वैसे भी कांग्रेस अपने सिवाय किसी भी अन्य दल को विपक्ष का नेतृत्व देने के पक्ष में नहीं है। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते वह इस पर अपना दावा मानती है। भाजपा से अलग होने के बाद नीतीश कुमार लगातार विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में जुटे है। इस दौरान वे विपक्षी दलों के ज्यादातर प्रमुख नेताओं से मिल चुके हैं। रविवार को भी इसी क्रम में वे फतेहाबाद में इनेलो की रैली में हिस्सा लेने के बाद दिल्ली लौटे थे। उन्होंने विपक्षी दलों से 2024 में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होने की अपील की।

हिमाचल में चुनावी सरगर्मियां तेज प्रियंका करेंगी रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल में विधान सभा चुनाव के लिए सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पीएम मोदी के वर्चुअली रैली को संबोधित करने के बाद कांग्रेस के दिग्गज भी हिमाचल में सक्रिय हो रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा हमीरपुर जिले के सुजानपुर में रैली को संबोधित करेंगी। कांग्रेस 29 सितंबर को सुजानपुर में रैली करवाने की तैयारी में है।

सुजानपुर पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल का हलका है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हाईकमान को यह प्रस्ताव भेजा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रैली का कार्यक्रम लगभग तय है। सिर्फ आधिकारिक तौर पर प्रियंका गांधी वाड्रा के कार्यालय से कार्यक्रम तय होने का इंतजार है। कांग्रेस पहले कांगड़ा में रैली करवाने की तैयारी में थी लेकिन अब सुजानपुर से शुरुआत की जा रही है। दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से इस बाबत चर्चा हुई है। पार्टी ने निर्णय लिया है कि केंद्रीय नेताओं की हर संसदीय क्षेत्र में रैली करवाई जाएगी। हमीरपुर से चुनावी शंखनाद के बाद मंडी, कांगड़ा और शिमला संसदीय क्षेत्र में भी रैली करवाई जाएगी।

गोमती तट पर पूर्वजों के लिए किया दीपदान

» जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी की शिरकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्रीठाकुर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में मां पीताम्बरा 108 कुंडीय महायज्ञ समिति द्वारा पितरों, पूर्वजों, सनातन वीर सपूतों, कश्मीरी हिन्दुओं व कोविड महामारी से मृत लोगों को आत्मिक शांति व मोक्ष के लिए वृहद स्तर पर सामूहिक तर्पण व 11000 दीपों से दीपदान का कार्यक्रम रविवार को झूलेलाल वाटिका,गोमती तट पर दंडी सन्यासी श्री रामाश्रम महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में परिवार व साथियों सहित लोगों ने भागीदारी की। दीपोत्सव और तर्पण के पश्चात भोजन प्रसाद की व्यस्वस्था भी की गई। कार्यक्रम में स्वतंत्र देव सिंह जल शक्ति मंत्री उत्तर प्रदेश, सांसद जुगुल किशोर, सांसद अशोक बाजपेई , विनोद मिश्र, अनिता मिश्र, आर्किटेक्ट स्वाति भाटिया, संयोगिता सिंह, राजेश अग्रवाल, बीनू शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

झारखंड में पीएफआई और बांग्लादेशी घुसपैठ के विरुद्ध भाजपा ने छेड़ी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग एवं कार्यसमिति की बैठक का समापन रविवार को दुमका में हुआ। इस दौरान पापुलर फ्रंट आफ इंडिया और बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ रणनीति बनी।

वक्ताओं ने कहा कि संताल परगना व राज्य के अन्य हिस्सों में लव जिहाद और जमीन जिहाद के माध्यम से जनजातीय परंपरा और आस्था पर चोट की जा रही है। पीएफआई व बांग्लादेशी घुसपैठ बड़ा खतरा बन चुके हैं। इनके खिलाफ मोर्चा कार्यकर्ता कमर कसेंगे। इसके विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। जनजातियों की पहचान, परंपरा, सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए संगठन मजबूत पहल करेगा। तय हुआ कि मिशन 2024 के तहत राज्य की सभी पांच अनुसूचित जनजातीय सीटों पर जीत हासिल करने को अभी से जुट जाएं। विधान सभा चुनाव में सभी 28 अजजा सीटों पर कब्जा करना है।

ध्वस्त हो जाएगी बिहार की महागठबंधन सरकार : पशुपति

» एनडीए के नाम पर वोट लेकर महागठबंधन की गोद में बैठ गए नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने रविवार को पार्टी के जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने भाजपा के साथ पूरी ताकत से लोक सभा चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए सभी 40 सीटें जीतने का संकल्प कार्यकर्ताओं को दिलाया।

उन्होंने कहा कि बिहार में बदले राजनीतिक हालत और 2024 के चुनाव की तैयारी के लिए पूरी ताकत से जुटे जाएं। चुनाव से पहले महागठबंधन सरकार ध्वस्त हो जाएगी और टुकड़े-टुकड़े में बंट जाएगी। पारस ने कहा कि एनडीए के नाम पर वोट लेकर नीतीश कुमार महागठबंधन की गोद में बैठ गए। नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुकाबले में देश में कोई नेता नहीं हैं। भतीजे चिराग पासवान के एनडीए में होने के प्रश्न पर पारस ने तंज कसते हुए कहा कि चिराग बाबू की वही स्थिति है जैसे सड़क पर घूमते जानवर की होती है। चिराग न इधर हैं न उधर, सड़क पर हैं। मेरे पास चिराग को आने के लिए पहले प्रायश्चित करना होगा, माफी मांगना होगा।

पारस ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के बारे में ललन सिंह छोटी मुंह, बड़ी बात कर रहे हैं। अमित शाह देश के काबिल और बड़े नेता हैं। उनसे ललन सिंह का क्या मुकाबला है?

गुजरात में केजरीवाल ने लगाई वादों की झड़ी, कहा

'आप' की सरकार बनी तो नौकरी से ठेका सिस्टम करेंगे खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात चुनावों के लिए प्रचार में जुटे आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर वादों की झड़ी लगा दी है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि यदि उनकी सरकार राज्य में बनी तो वे नौकरी से ठेका सिस्टम की विदाई कर देंगे।

केजरीवाल ने यह भी वादा किया उनकी सरकार राज्य के अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी कर देगी और समान

» समान कार्य के लिए समान वेतन का नियम करेंगे लागू

कार्य के लिए समान वेतन का नियम लागू करेगी। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं हर सरकार धीरे-धीरे सरकारी नौकरियों को खत्म कर रही है। उनका कहना है कि ठेके के कर्मचारियों को स्थायी किए जाने पर वह काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी काम नहीं करते, यह कहना अनुचित है। वे काम करते हैं। यदि कर्मचारियों को सम्मान और पूरी तनख्वाह मिले। उन्होंने कहा, पंजाब में 36,000 ठेके पर कर्मचारी हैं, जिन्हें स्थायी किया जाएगा। मान सरकार ने 8,500 शिक्षकों को स्थायी किया है। राज्य में यदि उनकी सरकार आई तो हर बच्चा तरक्की करेगा। केजरीवाल ने गुजरात के एक दलित परिवार को घर पर खाना खाने के लिए निमंत्रण भी दिया।

अशोक सिंह सरीखे अफसरों की वजह से कर्ज तले दबा है लखनऊ नगर निगम

» मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर बरसों से जमे हैं अशोक सिंह

» जीआईएस सर्वे में उजागर हुई लापरवाही, कम कर निर्धारण को लेकर मांगा जा चुका है स्पष्टीकरण

» टैक्स चोरी करा अपनी जेबें भर रहे हैं नगर निगम के अफसर-कर्मचारी, खजाने को लग रही चपत

चेतन गुप्ता

अशोक सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के खजाने को उसी के अफसर चपत लगा रहे है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर तैनात अशोक सिंह 23 साल की नौकरी में साढ़े पांच साल छोड़ लखनऊ नगर निगम में डटे हैं। भवन स्वामियों पर कर के जरिए होने वाली वास्तविक आय कुछ हिस्सा ही खजाने में पहुंच रहा है, शेष अफसरों की जेब में जा रहा है। जीआईएस सर्वे में लापरवाही उजागर होने के बाद अशोक सिंह से शासन स्तर पर स्पष्टीकरण मांगा जा चुका है। इसमें लम्बे अर्से से हो रही टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी की फौज जानबूझकर सर्वे में लापरवाही बरत रही थी, जिसको लेकर शासन से फटकार मिलने के बाद अब कमान खुद नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने संभाल ली है।

लखनऊ नगर निगम पर तीन सौ करोड़ का कर्ज है। पिछले वित्त वर्ष में 372 करोड़ की निगम को आय हुई थी। वहीं इस वित्त वर्ष के पांच महीने बीतने पर 170 करोड़ की आय हुई है जो इसी अवधि में पिछले साल की तुलना में 34 करोड़ ज्यादा है। नगर निगम को आय भवनों से कर, होटल-रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर लगने वाले लाइसेंस शुल्क, रोड कटिंग, अवस्थापना शुल्क व विज्ञापन पटों के जरिए होती है। सूत्रों की माने तो अशोक सिंह के कार्यकाल में करोड़ों की हेराफेरी की गई है। सही जांच हो तो सिर्फ शहर भर में विज्ञापन यानि होर्डिंग्स, यूनीपोल व अन्य माध्यमों में जमकर खेल हो रहा है। टैक्स के मामले में पहले मनमाने ढंग से भवन स्वामियों पर टैक्स थोपते और बाद में संशोधन के नाम पर अपनी स्वार्थ सिद्धि कर राजस्व की हानि करते हैं। यह खेल कई बार पकड़ में आ चुका है। गौरतलब है कि मुख्य कर निर्धारण अधिकारी का काम देख रहे अशोक सिंह 2014 से इस पद पर जमे हैं। उनके पास सभी 8 जोनों के कर निर्धारण के साथ राजस्व वसूली, अतिक्रमण, निर्वाचन, परिसीमन, उद्यान समिति, प्रचार व मीडिया ब्रीफिंग, विधि, रेंट, सभी प्रकार के लाइसेंस शुल्क व सदन की कार्यवाही, पार्षदी चुनाव, कार्यकारिणी प्रभारी की भी जिम्मेदारी है। जीआईएस सर्वे में लापरवाही और कम कर निर्धारण को लेकर विशेष सचिव नगर विकास ने नोटिस भेज कर इसका स्पष्टीकरण मांगा है। लखनऊ नगर निगम द्वारा सर्वे का महज 70 फीसदी काम हुआ है। इसके लिए अशोक सिंह को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। माना यह भी जा रहा है कि कहीं न कहीं टैक्स चोरी का जो खेल चल रहा है उसी के कारण सर्वे में सुस्ती बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नगर निगम क्षेत्र में जीआईएस सर्वे में 1.85 लाख भवन स्वामियों के मकानों का क्षेत्रफल बढ़ा मिला है, जिससे उनका वार्षिक मूल्यांकन बढ़ गया है। नगर निगम ने सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद इन सभी को नोटिस जारी कर दिया है। ऐसे में अब नए सिरे से कर निर्धारण किया जाएगा। नगर निगम ने शहर के भवनों का जियोग्राफिकल इंफारमेशन सिस्टम जीआईएस सर्वे कराया है। कुल 5.82 लाख भवनों की सर्वे रिपोर्ट नगर निगम को मिल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 1,85,410 भवनों का वार्षिक मूल्य 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। वार्षिक मूल्य बढ़ने से हाउस टैक्स भी बढ़ गया है। वार्षिक मूल्य क्षेत्रफल बढ़ने से बढ़ा है। सर्वे में भवनों की संख्या बढ़कर 5.91 लाख हो गई है। सर्वे में खुलासा हुआ है कि किस तरह कर अफसर व कर्मी दीमक की तरह नगर निगम को खोखला कर रहे हैं।

महापौर के जनता दरबार में खुल चुकी है टैक्स चोरी की पोल

पिछले दिनों महापौर संयुक्ता भाटिया के सामने लोक मंगल दिवस में ऐसा ही मामला पहुंचा, जब भवन स्वामी ने नगर निगम के चपरासी पर हाउस टैक्स कम करने के लिए रिश्वत मांगने और न देने पर मकान नीलाम करने की धमकी का आरोप लगाया था। गोमतीनगर में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जिसमें भवन स्वामी ने पैसा मांगने का आरोप राजस्व निरीक्षक और लिपिक पर लगाया था। भवन स्वामी ने मांगी गई रकम नहीं दी तो उसके होटल को नीलाम करने की नोटिस जारी कर दी गई थी। अपने फायदे के लिए कर्मचारियों ने कई मंजिला हॉस्पिटल, कॉम्प्लेक्स और रेस्टोरेंट का टैक्स आवासीय कर दिया। इतना ही नहीं, इनका क्षेत्रफल भी कम दिखाया था। इससे नगर निगम के खजाने को दोहरी चोट लग रही है।

अशोक सिंह के आगे नहीं टिक पाए महत्म यादव

अगस्त 2018 में नगर निगम में दो मुख्य कर निर्धारण अधिकारी तैनात रह चुके हैं। उस समय जोन पांच के जोनल अधिकारी रहे महत्म यादव को मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर नई तैनाती दी गई थी। उनको चार जोनों में कर निर्धारण की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन 2020 के बाद एक बार फिर अशोक सिंह को चार्ज दे दिया गया। शासन स्तर पर पैठ होने के चलते तब से लेकर अब तक अशोक सिंह को कोई हिला नहीं पाया।

साढ़े पांच साल छोड़ लखनऊ नगर निगम में जमे हैं

सन 1999 में कर अधीक्षक के पद पर लोक सेवा आयोग से भर्ती हुए अशोक सिंह लखनउ नगर निगम से महज साढ़े पांच सालों के लिए सहारनपुर और गाजियाबाद गए लेकिन उनकी फिर से लखनऊ नगर निगम में बतौर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के रूप में तैनाती हुई। तब से लेकर अब तक वह इस पद पर डटे हैं। निदेशालय से लेकर शासन स्तर पर उनकी जमकर पैठ है। कागजों में दिव्यांग भाई की देखरेख का हवाला देकर वह इस कुर्सी पर लखनऊ नगर निगम में जमे हुए हैं।

> "भवन स्वामियों की सहूलियत के लिए ऐसा सॉफ्टवेयर डेवलप किया गया है कि वह खुद अपनी संपत्तियों का कर निर्धारण कर सकते हैं और उसे जमा कर सकते हैं। कोई भी नगर निगम का कर्मचारी-अधिकारी टैक्स में घालमेल नहीं कर सकता। इसके लिए फुल प्रूफ व्यवस्था बना ली गई है। सारा रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर कोई भी देख सकता है।
> – इंद्रजीत सिंह, नगर आयुक्त

इंटौजा : मुंडन कराने जा रहे 50 लोग ट्रॉली सहित तालाब में डूबे, 9 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इटौंजा के असनहा गद्दीपुरवा में ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मार दी। हादसे में मुंडन कराने जा रहे 50 लोगों सहित ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलट गई। हादसे में सभी डूब गये। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 35 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं नौ शव बाहर निकाले गए हैं। चार की तलाश की जा रही है। सीतापुर के अटरिया स्थित टिकौली गांव के छुन्नन के बेटे का मुंडन संस्कार था।

नवरात्रि के पहले दिन इटौंजा के ऊनई देवी मंदिर में मुंडन होना था। इसके लिए पूरा परिवार रिश्तेदारों व परिचितों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर मंदिर जा रहा था। सुबह करीब 10 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली असनहा के गद्दीपुरवा गांव के पास पहुंची थी। इसी बीच बेहटा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सीधे सड़क किनारे बड़े तालाब में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही इटौंजा के प्रभारी निरीक्षक रवींद्र कुमार अपनी टीम के साथ पहुंच गये। ग्रामीणों की मदद से राहत कार्य शुरू किया गया। नौ शव बाहर निकाले गए हैं।

प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक हादसे की शिकार ट्राली तालाब मे गिरते ही सभी उसके नीचे दब गये। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। किसी तरह पुलिस व ग्रामीणों ने ट्रॉली के नीचे से लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक 35 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

मंदिरों व घरों में मां दुर्गा की आराधना शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मां के जयकारों से गुंजायमान वातावरण के बीच आज सुबह से ही राजधानी के मंदिरों में मां दुर्गा की आराधना हो रही है। कोरोना के बाद पहली बार गर्भ गृह में जाकर श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए। राजधानी के सबसे बड़े सिद्धपीठ चौक की छोटी व बड़ी काली जी मंदिर के पास मेला लगा। चौक के बड़ी व छोटी काली जी मंदिर में प्रवेश की अलग-अलग व्यवस्था की गई थी। प्रवेश द्वार से वापस के बजाय पीछे का गेट खोल दिया गया है जहां दर्शन के बाद श्रद्धालु वापस जा रहे हैं। भोर में ही कपाट खोल दिए गए थे। कुछ श्रद्धालुओं ने मास्क लगाकर दर्शन किए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।